कृषि विज्ञान केंद्र, भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान द्वारा कुक्कुट पालन उद्यमिता विकास पर पाँच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

कृषि विज्ञान केंद्र, भाकृअनुप-भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान एवं भाकृअनुप-केन्द्रीय पक्षी अनुसंधान संस्थान द्वारा कुक्कुट पालन उद्यमिता विकास शीर्षक पर ग्रामीण बेरोजगार युवाओ, कृषको एवं कृषक महिलाओ हेतु 16.01.2023 से 20.01.2023 तक पाँच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के आरंभ मे डॉ. बी पी सिंह, प्रधान वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, कृषि विज्ञान केंद्र ने अपने संबोधन मे बताया की घर आँगन मे कुक्कुट पालन कर ग्रामीण महिलाए आत्मनिर्भर बन सकती है परिवार मे कुपोषण की समस्या को भी कम कर सकती है। इस अवसर पर डॉ एम. पी. सागर, प्रधान वैज्ञानिक, केन्द्रीय पक्षी अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिको द्वारा विकसित प्रौध्योंगिकियों पर व्याख्यान दिया और सफल कृषको का उदाहरण देकर बताया की किस प्रकार नवीन कुक्कुट पालन प्रौध्योंगिकियां युवाओ के लिए स्वरोजगार का साधन साबित हो रही है। पाँच दिन के प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान कृषको को घर-आँगन मे कुक्कुट पालन एवं प्रबन्धन, अंडे उत्पादन हेतु लेयर कुक्कुट का प्रबन्धन, मिनी एग इनक्यूबेटर द्वारा चूज़ो का उत्पादन, माँस उत्पादन हेतु ब्रोईलर कुक्कुट का प्रबन्धन, कुक्कुट की सामान्य बीमारियाँ तथा निदान, बटेर पालन, कुक्कुट माँस एवं अंडो का प्रसंस्करण और मूल्यवर्धन, मछली सह कुक्कुट पालन और घर आँगन कुक्कुट फार्म का प्रबंधन एवं स्थापना लागत जैसे महत्वपूर्ण विषयो पर व्याख्यान आयोजित कर जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम मे कृषि विज्ञान केंद्र, भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान एवं केन्द्रीय पक्षी अनुसंधान संस्थान के विशेषज्ञो और वैज्ञानिको ने कृषको को विभिन्न विषयो पर विस्तृत जानकारी प्रदान कर उनकी समस्याओं के निवारण हेतु चर्चा की। कार्यक्रम मे कृषको ने कृषि विज्ञान केंद्र के प्रदर्शन फार्म मे मत्स्य सह कुक्कुट पालन इकाई का भी भ्रमण किया और चलचित्र के माध्यम से केन्द्रीय पक्षी अनुसंधान संस्थान द्वारा स्थापित गिरि ग्राम तकनीकी पार्क के बारे मे भी जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम के समापन समारोह मे डॉ. महेश चन्द्र , संयुक्त निदेशक, प्रसार शिक्षा ने कृषको से प्रशिक्षण प्रतिकृया प्राप्त की और कुक्कुट पालन की उन्नत प्रौध्योंगिकियों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होने कृषको को आगे भी कृषि, पशु पालन एवं मत्स्य संबंधी नवीन जानकारी के लिए कृषि विज्ञान केंद्र से जुड़े रहने की सलाह दी और सभी प्रशिक्षनार्थियों को प्रशिक्षण प्रमाण पत्र प्रदान किए। कार्यक्रम मे बरेली, पीलीभीत, रामपुर और दिल्ली से 25 कृषको (3 महिला कृषको) ने प्रतिभागिता की।